Ph.: Off.: 2633233/2955977
aryawani.ngp@gmail.com

॥ ओ३म्॥

दयानन्द आर्य कन्या महाविद्यालय

आर्य विद्या सभा द्वारा संचालित
(Regd. under Societies Act. XXI)
जरीपटका, नागपुर ४४००१४.

Brief Report

Brief Report of Project / Field/ Internship Work (1.3.3)

Name of the Project Undertaken	" Alankar Ki report ”	
Academic Session	2023-24	
Organizing Department/ Committee	Hindi	
Total Number of Students Participated in the Project	15	
Brief Report	The Project entitled - " Alankar Ki report" undertaken by the Department of Hindi during the session of 2023-24 under the guidance of Internal Quality Assurance Cell of the Institution. Total 10 students participated in the project activity and successfully completed the project. The completion certificate has been given to the students. All students found it very interesting to learn through the experiential learning. They enjoyed the project work.	
Criterion :1	Metric no-1.3.3	
Signature of Co-Ordinator P. Dabli Dr.Yugeshari Dabli	Signature & Stamp of IQAC Co-Ordinator Sujata IQAC Coordinator Dayanand Arya Kanya Mahavidyalaya Jaripatka, Nagpur	Signature of & Stamp of Principal Principal Dayanand Arya Kanya Mahavidyalaya Jaripatka, Nagpur

Ph.: Off.: 2633233/2955977
arvawani.ngp@gmail.com

॥ ओ३म्।।

दयानन्द आर्य कन्या महाविद्यालय

आर्य विद्या सभा द्वारा संचालित
(Regd. under Societies Act. XXI)
जरीपटका, नागपुर ४४००१४.

Students Information

S.N.	Name of Student	Program	Class
01.	Naziya Sheikh	B. A	III year
02.	AMISHA SANJAY FULZELE	B. A	III year
03.	ANAMIKA DHANRAJ RAHANGDALe	B. A	III year
O4.	ANCHAL BHAGWAN KSHIRSAGAR	B. A	III year
05.	BHUMI MUKESH DAGOR	B. A	III year
06.	DURGESHWARI SUBHASHCHANDRA TIVNIHA	B. A	III year
07.	GAYATRI DULICHAND PARDHI	B. A	III year
08.	HARSHA THAWARDAS BHAMBHANI	B. A	III year
09.	HEENA PARVEEN RAHAMATULLAH SHEIKH	B. A	IIIyear
10.	JANVI SUNIL NAVGHARE	B. A	III year
11.	KANCHAN GAJANAN KURSANGE	B. A	III year
12.	KASHISH PRAMOD SAKHRE	B. A	III year
13.	PRACHI JAGDISH PATEL	B. A	III year
14.	PRANALI ASHOK KALBANDE	B. A	III year
15.	PRANALI MAHENDRA PATIL	B. A	III year

Front Page of Project

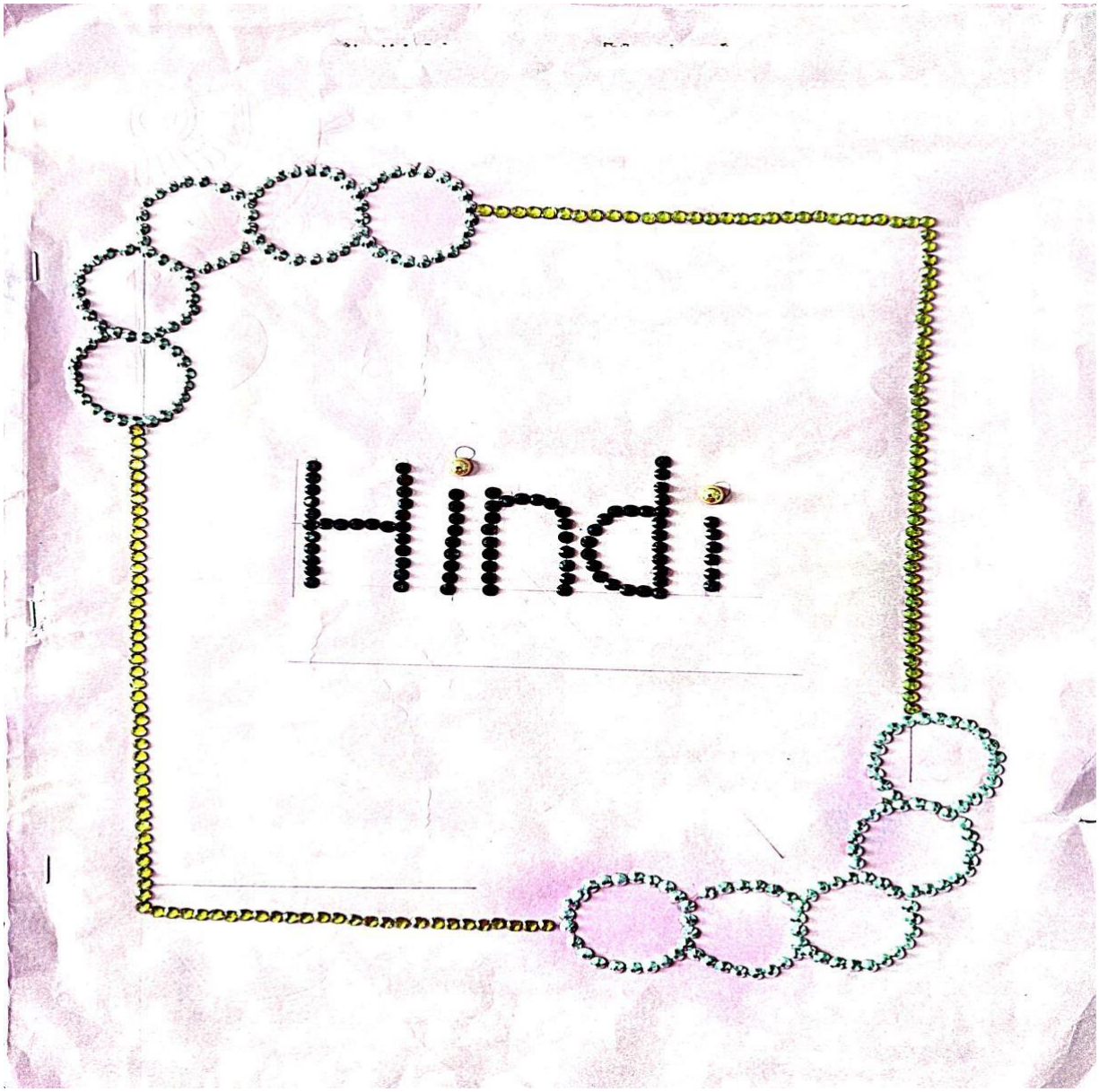

ARYA VIDYA SABHA'S

DAYANAND ARYA KANYA MAHAVIDYALAYA

Jaripatka, Nagpur.

'Hindi project'

Organised By

Department of project

CERTIFICATE

This is to certify that project work in the subject Hindi entitles Hindi :

: Alankar ki reporthsa been successfully completed by ku.

Naziya Sheikh of B.A III Year during the Academic session 2023 -

24 Hence the certificate is awarded to her.

P. Dabli

Co-Ordinator
Dr. – Yugeshari Dabli
Dept. of Hindi

Principal
Dr. Chetna Pathak
DAKM, Nagpur

Project Copy

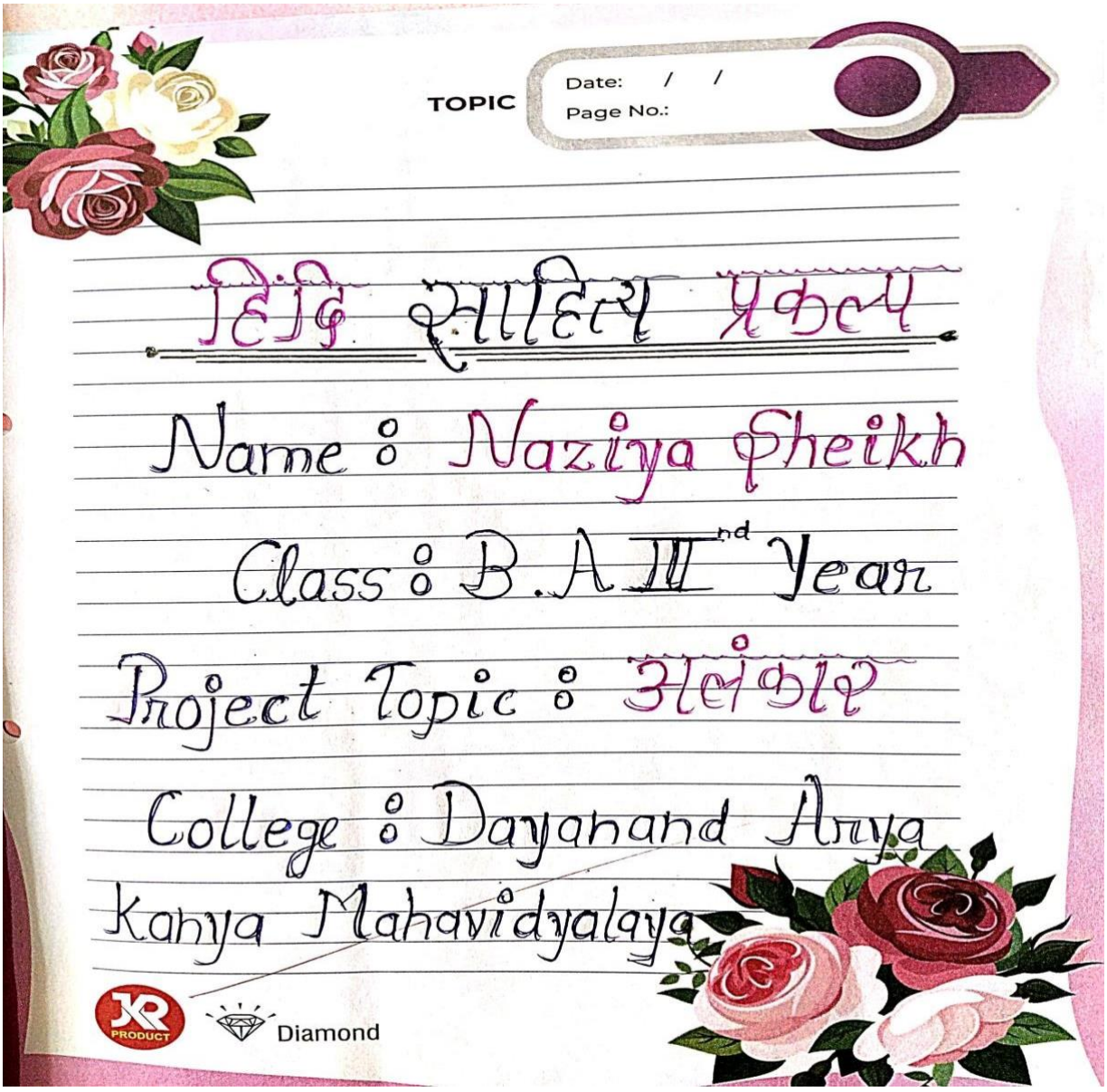

TOPIC

Date: / /

Page No.:

अनुक्रमणिका

अ.क्र	घटक के नाम	पृष्ठ क्र.
1.	विषय का चुनाव	
2.	प्रस्तावना	
3.	उद्देश्य / महत्व	
4.	अलंकार	
5.	निष्कर्ष	

JR PRODUCT Diamond

TOPIC Date: / / Page No.:

अलंकार

परिभाषा : अलंकार का शाब्दिक अर्थ होता है - (आभूषण) जिस प्रकार स्त्री की शोभा आभूषण से उसी प्रकार काव्य की शोभा अलंकार से होती है अर्थात जो किसी वस्तु को अलंकृत करे वह अलंकार कहलाता है।

संक्षेप मे हम कह सकते हैं काव्य शरीर, अर्थात भाषा को शब्दार्थ से सुसज्जित तथा सुन्दर बनानेवाले चमत्कारपूर्ण मनोरंजक ढंग को अलंकार कहते हैं।

" अलंकारोति इति अलंकार :- जो अलंकृत करता है, वही अलंकार हैं। भारतीय साहित्य मे अनुप्रास, उपमा, रूपक, अनन्वय, यमक, श्लेष, उत्प्रेक्षा, संदेह, अतिशयोक्ति, वक्रोक्ति आदि प्रमुख अलंकार हैं

JR PRODUCT Diamond

शब्द अलंकार

* शब्द अलंकार किसे कहते हैं?

शब्द अलंकार - शब्द अलंकार दो शब्दो से मिलकर बना होता हैं। शब्द + अलंकार

जिस अलंकार मे प्रे शब्दों के प्रयोग के कारण कोई चमत्कार उपस्थित हो जाता हैं और उन शब्दो के स्थान पर समानार्थी दूसरो शब्दो के रख देने से वह चमत्कार समाप्त हो जाता हैं, वह शब्द अलंकार माना जाता हैं।

शब्द अलंकार के प्रकार

अनुप्रास अलंकार
यमक अलंकार
पुनरुक्ति अलंकार
विप्सा अलंकार
वक्रोक्ति अलंकार
श्लेष अलंकार

JKR PRODUCT Diamond

TOPIC

Date: / /

Page No.:

अनुप्रास अलंकार

परिभाषा - काव्य में जब वर्णों की आवृत्ति बार-बार होती है तो उसे अनुप्रास अलंकार कहते हैं।

अनुप्रास अलंकार में किसी एक वर्ण की आवृत्ति होती है। आवृत्ति का अर्थ है दुहराना जैसे - भरत-भारती मंजु मुरली। उपयुक्त उदाहरणों में भ, र और त तीनों वर्णों का समूह दो बार आया है, इस कारण से इसमें अनुप्रास अलंकार है।

अनुप्रास अलंकार का अर्थ

अनुप्रास अलंकार - अनुप्रास शब्द 'अनु' तथा 'प्रास' शब्दों से मिलकर बना है।

अनु शब्द का अर्थ है - बार-बार तथा 'प्रास' शब्द का अर्थ है - वर्ण।

अनुप्रास अलंकार के उदाहरण।

- "चारु-चंद्र की चंचल किरणे, खेल रही थी जल थल में"।

यहां च वर्ण की आवृत्ति बार-बार हो रही है।

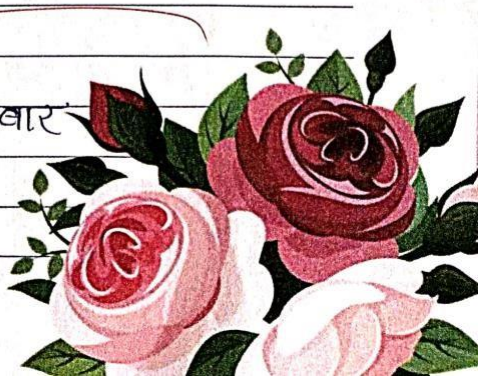

JR PRODUCT Diamond

TOPIC

Date: / /
Page No.:

यमक अलंकार

परिभाषा : जिस काव्य में एक ही शब्द की बार-बार पुनरावृत्ति होती है, लेकिन हर बार उस शब्द का अर्थ अलग-अलग होती है तो उसे वहां पर यमक अलंकार आता है। जैसे कनक - कनक ते सौ गुनी, मादकता अधिकाय या खाए बौराय जग, या पाए बौराय। इन में कनक शब्द का दो बार प्रयोग हुआ है। लेकिन एक कनक का अर्थ है सोना और दुसरे कनक का अर्थ है धतूरा।

यमक अलंकार के भेद

यमक अलंकार के दो भेद होते हैं, जोकि इस प्रकार बताए गए हैं।

1- अभंग पद यमक - जब किसी भी शब्द को बिना एक ही रूप में कई बार अलग अलग अर्थों में प्रयोग किया जाता है तो वहां पर अभंग पद यमक माना जाता है।

JR PRODUCT Diamond

TOPIC Date: / / Page No.:

श्लेष अलंकार

जब कोई शब्द वाक्य मे प्रयुक्त होकर दो या दो से अधिक भिन्न - भिन्न अर्थ दे तो 'श्लेष' अलंकार होता हैं। इस 'अलंकार के अंतर्गत एक शब्द एक से अधिक अर्थों का बोध कराकर पूरे काव्य को विशेष अर्थ प्रदान करने मे सक्षम होता हैं।

उदा : "सुबरन को ढूँढे फिरत, कवि, व्याभिचारी, चोर।"

श्लेष अलंकार के भेद :

श्लेष अलंकार मुख्यत: दो प्रकार के होते हैं -

अभंग श्लेष अलंकार

जब शब्दो को बिना अलग किये दो या दो से अधिक अर्थ प्रकट होते हैं वहाँ अभंग श्लेष अलंकार होता हैं। इसका उदाहरण व्याख्या सहित नीचे दर्शाया गया हैं।

अभंग श्लेष अलंकार के उदा :

चरण धरत चिंता करत, चितवत चारहुँ ओर
सुबरन को खोजत फिरत, कवि, व्याभिचारी, चोर।

Diamond

TOPIC Date: / / Page No.:

वक्रोक्ति अलंकार

परिभाषा : जहाँ पर वक्ता के द्वारा गए शब्दों का श्रोता अलग अर्थ निकालता है, तो उसे वक्रोक्ति अलंकार कहते हैं।

'वक्रोक्ति' का अर्थ 'वक्र उक्ति' अर्थात 'टेढ़ी उक्ति' होता है। कहने वाले का अर्थ कुछ और होता है, लेकिन सुनने वाला उससे कुछ दूसरा ही अर्थ निकाल लेता है।

जिस शब्द कहने वाले व्यक्ति के कथन का अर्थ न ग्रहण कर सुनने वाला व्यक्ति अन्य ही चमत्कारपूर्ण अर्थ लगाये और उसका उत्तर दे तो उसे 'वक्रोक्ति अलंकार' कहते हैं।

J.Chelai

JR PRODUCT Diamond